हल प्रश्न-पत्र-2022

संस्कृतम् (सत्र-I)

कक्षा-X

सत्र-I, Set-4

निर्धारितम् समय : 90 मिनट **अधिकतम अंक : 40**

अवधेयम् (ध्यान दीजिए)—

(i) प्रश्नपत्रमिदं बहुविकल्पात्मकम् अस्ति।
यह प्रश्न-पत्र बहुविकल्पात्मक है।

(ii) प्रश्नपत्रमिदं 10 भागेषु विभक्तम् अस्ति।
यह प्रश्न-पत्र 10 भागों में विभक्त है।

(iii) प्रश्नपत्रेऽस्मिन् 51 प्रश्नाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में कुल 51 प्रश्न हैं।

(iv) यथानिर्दिष्टम् 40 प्रश्नाः समाधेयाः।
निर्देशानुसार 40 प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

(v) प्रत्येक भागे यथेष्टं प्रश्नाः यथानिर्देशं समाधेयाः।
प्रत्येक भाग में निर्देशानुसार मनपसन्द प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(vi) प्रत्येक प्रश्नस्य कृते एकः (1) अङ्कः निर्धारितः वर्तते।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है।

(vii) प्रतिप्रश्नं प्रदत्तविकल्पेषु एकमेव समुचितम् उत्तरं चयनीयम्।
प्रति प्रश्न प्रदत्त विकल्पों में से एक ही उचित उत्तर का चयन अपेक्षित है।

Series: JSK/2 **Code No. 052/1/4**

अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्

I. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां सन्धिपदं सन्धिच्छेदपदं वा चिनुत-(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) $4 \times 1 = 4$

1. पाषाणी सभ्यता निसर्गे स्यान्न समाविष्टा।

(a) स्यान् + न **(b)** स्यात् + न

(c) स्याम् + न **(d)** स्यात + न

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—प्रथम वर्ण का पंचम वर्ण में परिवर्तन नियमानुसार यदि वर्ग के पहले वर्ण के बाद उसी वर्ग का पंचम वर्ण हो जैसे स्यात् (त्) के बाद तवर्ग का पंचम वर्ण (न) है तो तवर्ग (प्रथम वर्ग) का (पंचम वर्ण) 'न' हो जाता है।

2. तनुः पेषयद् भ्रमति सदा वक्रम्।

(a) पेषयन् + भ्रमति **(b)** पेषयद + भ्रमति

(c) पेषयत + भ्रमति **(d)** पेषयत् + भ्रमति

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—जश् (जशत्व) सन्धि सूत्र के अनुसार प्रथम शब्द के अन्त में स्थित वर्णो के पहले वर्ण को उसी वर्ग का तीसरा वर्ण हो जाता है, यदि उसके बाद किसी भी वर्ग का तीसरा चौथा, पाँचवा अक्षर हो जैसे—यहाँ 'पेषयद् भ्रमति में 'द' तीसरा अक्षर के वाद वर्ग का चौथा अक्षर 'भ' आया है।

3. अयमेकः + तावत् विभज्य भुज्यताम्।

(a) अयमेकश्तावत् **(b)** अयमेकष्तावत्

(c) अयमेकस्तावत् **(d)** अयमेको तावत्

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'सत्व' विसर्ग सन्धि नियमानुसार यदि विसर्ग के बाद 'त्' आए तो विसर्ग का 'स्' हो जाता है जैसे— अयमेकः में विसर्ग के बाद 'तावत:' शब्द आने पर 'विसर्ग को 'स्' होने पर अंयमेकस्तापद् प्रयुक्त होगा।

4. भयाकुलं व्याघ्रं दृष्ट्वा <u>कश्चित्</u> धूर्तः शृगालः हसन्नाह।

(a) कः + चित् **(b)** कश् + चित्

(c) को + चित् **(d)** कस् + चित्

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'सत्व' विसर्ग सन्धि नियमानुसार यदि विसर्ग के बाद 'च' होने पर विसर्ग का 'श्' हो जाता है, जैसे यहाँ के: + चित्' शब्द में विसर्ग के बाद 'च्' होने पर 'श्' प्रयुक्त होने पर 'कश्चित्' शब्द बना।

5. अन्योऽपि मुच्यते <u>महतः + भयात्</u>।

(a) महतो भयात् **(b)** महतस्भयात्

(c) महतभयात् **(d)** महद् भयात्

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और उसके बाद किसी भी वर्ग का चौथा वर्ण आए तो 'अ + उ' मिलकर गुण सन्धि से 'ओ' हो जाता है जैसे—महत: + भयात् में नियमानुसार 'महतोभयात्' सन्धि होगी।

II. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां समासं विग्रहं वा प्रदत्तविकल्पेभ्यः चिनुत-(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)

4 × 1 = 4

6. प्रपश्यामि <u>ग्रामान्ते</u> निर्झर-नदी-पयः-पूरम्।

(a) ग्राम अन्ते **(b)** ग्रामस्य अन्ते

(c) ग्रामे अन्ते **(d)** ग्रामात् अन्ते

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—षष्ठी तत्पुरुष समास में कारक चिन्ह 'के' अनुसार ग्राम शब्द में कारक चिन्ह के ग्राम् के अनुसार षष्ठी विभक्ति प्रयुक्त होने पर ग्रामस्य अन्ते समास विग्रह उचित होगा।

7. किं द्वयोरप्येकमेव <u>प्रतिवचनम्</u>।

(a) वचनं वचने प्रति **(b)** वचनम् वचनम् प्रति

(c) वचने वचनं इति **(d)** वचनेन वचनेन इति

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—प्रति (वीप्सा) प्रथम पद में द्वितीय सप्तमी विभक्ति अव्ययीभाव के अनुसार 'प्रतिवचनं' सामासिक पद का विग्रह 'वचनं वचनं प्रति' उपयुक्त होगा।

8. ततः प्रविशतः तापसौ <u>कुशलवौ</u>।

(a) कुशः च लवः च **(b)** लवे च कुशे च

(c) लवयोः च कुशयोः च **(d)** कुशस्य च लवस्य च

उत्तर— विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'कुशलवौ' सामासिक पद में द्वन्द्व समास नियमानुसार दोनों ही पद प्रधान होते हैं, समास विग्रह करते समय 'च' (और) का प्रयोग होता है, सामासिक पद बनाते समय उत्तर पद (लवः) में प्रथम विभक्ति द्विवचन' का प्रयोग होता है, अतः विग्रह कुशः च लवः च उचित होगा।

9. <u>पुत्रस्य दैन्यं</u> दृष्ट्वा अहं रोदिमि।

(a) पुत्रदैन्यम् **(b)** पुत्रदैन्यः

(c) दीनपुत्रः **(d)** पुत्रदीनताम्

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—षष्ठी तत्पुरुष समास के अनुसार 'पुत्रस्य दैन्य' समास विग्रह में सामासिक पद बनाते समय प्रथम पद (पुत्रस्य) में 'स्य' षष्ठी विभक्ति का लोप होकर सामासिक पद 'पुत्रदैन्यम्' उचित है।

10. <u>राजासनं</u> खलु एतत्।

(a) राज्ञोः आसनम् **(b)** राजनि आसनम्

(c) राज्ञः आसनम् **(d)** राजा आसनम्

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'राजासनं' सामासिक पद में हिन्दी अर्थ 'राजा का आसन' करते समय षष्ठी तत्पुरुष समास नियमानुसार प्रथम पद 'राजामें षष्ठी विभक्ति प्रयुक्त होने पर 'राज्ञः' होगा।

III. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रकृति-प्रत्ययौ संयोज्य विभज्य वा उचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चिनुत-(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) **4 × 1 = 4**

11. हरिततरूणां ललितलतानां माला <u>रमणीया</u>।

(a) रमणीय + आ **(b)** रमणीया + आ

(c) रमणीय + टाप् **(d)** रमणी + टाप्

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'रमणीया' शब्द स्त्रीलिंग है, रमणीय पुल्लिंग शब्द को स्त्रीलिंग बनाते समय 'टाप्' स्त्रीलिंग प्रत्यय प्रयुक्त होगा।

12. बुद्धिमान् जनः सदैव सफलः भवति।

(a) बुद्धि + मतुप् **(b)** बुद्धि + शानच्

(c) बुद्धि + त्व **(d)** बुद्धि + मत्

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'मतुप' प्रत्यय का प्रयोग वाला अर्थ में होता है जैसे-बुद्धि + मतुप् = बुद्धिमान् (बुद्धि वाला)। इस प्रत्यय के साथ पूर्व में केवल 'शब्द' का ही प्रयोग होता है, जैसे—बुद्धि। 'मतुप्' (मत्) प्रत्यय में पुल्लिंग में बुद्धिमान्' शब्द उपयुक्त रहेगा।

13. हिमकरस्य शीतल + त्व लोके प्रसिद्धम अस्ति।

(a) शीतलत्व **(b)** शीतलत्वम्

(c) शीतलता **(d)** शीतलत्वाम्

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'शीतल + त्व' में 'त्व' प्रत्यय का प्रयोग भाववाचक संज्ञा बनाने के लिए होता है 'त्व' प्रत्यय का शब्द के साथ 'त्वं' जुड़कर 'शीतलत्वं' शब्द नपुंसक-लिंग एकवचन के रूप में प्रयुक्त होता है।

14. कुसुमावलिः समीरचालिता में वरणीया।

(a) समीरचालित + टाप् **(b)** समीरचालित + त्व

(c) समीरचालित + तल् **(d)** समीरचालित + क्त

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'समीरचालिता' स्त्रीलिंग शब्द में 'समीरचालित' पुल्लिंगशब्द को स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'टाप्' प्रत्यय का प्रयोग होता है।

15. युद्ध बल + मतुप् जनः एव विजयं लभते।

(a) बलमति **(b)** बलवान्

(c) बलवती **(d)** बलवत्यः

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'बल + मतुप्' शब्द में पुल्लिंग में 'बलवान्' शब्द उपयुक्त है।

IV. वाच्यस्य नियमानुगुणम् उचितं विकल्पं चिनुत-(केवलं प्रश्नत्रयम्) **3 × 1 = 3**

16. तान्या ..... खादति।

(a) फलम् **(b)** फलस्य

(c) फलेन **(d)** फलेषु

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—वाच्य नियमानुसार कर्तृवाच्य में कर्म में द्वितीया विभिक्त का प्रयोग होता है, यहाँ 'कर्म' 'फलम्' द्वितीय विभक्ति युक्त शब्द है।

17. ..... चित्राणि दृश्यन्ते।

(a) अहम् **(b)** माम्

(c) अस्माभिः **(d)** मह्यम्

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—कर्मवाच्य में कर्ता में तृतीया विभक्ति एवं क्रिया के अनुसार वचन प्रयुक्त होता है जैसे—यदि कर्ता क्रिया प्रथम पुरुष बहुवचन (दृश्यत्ते) की है तो कर्ता में भी तृतीया विभक्ति बहुवचन में 'अस्माभिः' होगा।

18. भगिनी ओदनं .....।

(a) पचति **(b)** पच्यनते

(c) पच्यते **(d)** पचन्ति

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—कर्तृवाच्य में क्रिया कर्ता की विभक्ति वचनानुसार ही प्रयुक्त होती है। जैसे—प्रस्तुत वाक्य में 'भगिनी' प्रथमा विभक्ति एकवचन है, इसलिए क्रिया (पचति) भी प्रथम पुरुष एकवचन की ही होगी।

19. त्वया किम् ..... ?

(a) करोषि **(b)** करिष्यति

(c) क्रियते **(d)** क्रियसे

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—कर्मवाच्य में क्रिया का रूप आत्मनेपद होता है, कर्म के अनुसार क्रिया का पुरुष लिंग, विभक्ति तथा वचन होता है।

V. प्रदत्तेभ्यः विकल्पेभ्यः समुचितं कालबोधकशब्दं चिनुत-(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) **4 × 1 = 4**

20. मम माता प्रातः ..... (07 : 30) उत्तिष्ठति।

(a) सार्ध-सप्तवादने **(b)** सपाद-सप्तवादने

(c) पादोन-सप्तवादने **(d)** सप्तवादने

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—वाक्य में 07 : 30 समय में 30 मिनट (आधे) के लिए 'सार्ध' प्रयोग किया जाता है, 7 (सात) के लिए 'सप्त'।

21. सा प्रातः उत्थाय ..... (08 : 00) योगाभ्यासं करोति।

(a) सार्ध-अष्टवादने **(b)** अष्टवादने

(c) पादोन-अष्टवादने **(d)** नववादने

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—8 : 00 बजे के लिए 'अष्टवादने' प्रयुक्त होता है।

22. सा ..... (08 : 45) स्नानं करोति।

(a) सार्ध-अष्टवादने **(b)** सपाद-अष्टवादने

(c) पादोन-नववादने **(d)** अष्टवादने

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—08 : 45 अर्थात् पौने नौ बजे। 'पौने' के लिए संस्कृत में 'पादोन' प्रयोग किया जाता है। अतः पादोननववादने प्रयोग होगा।

23. तदा पूजां कृत्वा सा ..... (09 : 30) प्रातराशं करोति।

(a) नववादने **(b)** सपाद-नववादने

(c) पादोन-नववादने **(d)** सार्ध-नववादने

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—09 : 30 साढ़े नौ बजे के लिए सार्धनववादने प्रयुक्त होगा।

24. तदन्तरं सा गृहकार्याणि समाप्य ..... (12 : 15) भोजनं पचति।

(a) सपाद-द्वादशवादने **(b)** सार्ध-द्वादशवादने

(c) पादोन- द्वादशवादने **(d)** द्वादशवादने

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—12 : 15 सवा बारह बजे में 'सवा के लिए संस्कृत में 'स्पाद' 12 के लिए 'द्वादश' प्रयुक्त होता है,

VI. वाक्यानुगुणम् उचिताव्ययपदं चिनुत-(केवलं प्रश्नत्रयम्) **3 × 1 = 3**

25. व्याघ्रोऽपि ..... नष्टः गलबद्धः शृगालकः।

(a) तर्हि **(b)** शनैः

(c) सहसा **(d)** अत्र

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—अन्वय शब्द का प्रयोग वाक्य के हिन्दी अर्थानुसार ही प्रयोग किया जाता है, जैसे-सहसा अचानक।

26. यत्रास्ते सा धूर्ता ..... गम्यताम्।

(a) तत्र **(b)** अत्र

(c) अन्यत्र **(d)** अपि

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—हमेशा 'यत्र' (जहाँ) के साथ 'तत्र' (वहाँ) अव्यय का प्रयोग होता है। यत्रास्ते सा धूर्ता तत्र गम्यताम्'।

27. सः दीनः इति जानन् ..... कृषकः तं बहुधा पीडयति।

(a) श्वः **(b)** कुतः

(c) अपि **(d)** ह्यः

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'वह दीन ऐसा जानते हुए भी किसान उसको बहुत दुख देता है। इस वाक्य के अर्थानुसार यहाँ 'भी' के लिए अव्यय 'अपि' का प्रयोग होगा।

28. यदा मेघाः गर्जन्ति ..... वर्षा भवति।

(a) वृथा **(b)** च

(c) ह्यः **(d)** तदा

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'जब मेघ गरजते है, तब वर्षा होती है।' इसके अर्थ के अनुसार यदा (जब) अव्यय के साथ हमेशा 'तदा' (तब) अव्यय प्रयुक्त होगा।

VII. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदम् अशुद्धम् अस्ति। शुद्ध पदं विकल्पेभ्यः चिनुत-(केवलं प्रश्नत्रयम्) **3 × 1 = 3**

29. यूयं पाठं पठति।

(a) पठथ **(b)** पठसि

(c) पठन्ति **(d)** पठथः

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'यूयं पाठं पठति अशुद्ध वाक्य में कर्ता (यूयं) 'तुमसब' के अनुसार क्रिया का शुद्ध रूप 'पठथ' = प्रयुक्त होगा।

30. वृक्षे अनेकानि आम्रम् सन्ति।

(a) आम्रे **(b)** आम्रस्य

(c) आम्राणि **(d)** आम्रेषु

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'वृक्षे अनेकानि आम्रम् सन्ति' में अशुद्ध आम्रम्' नपुंसकलिंग शब्द के स्थान पर क्रियाबहुवचन अनुसार 'आम्राणि शब्द प्रयुक्त होगा।

31. <u>अयम्</u> मम सखी अस्ति।

(a) इदम्　(b) इयम्

(c) एषः　(d) एतत्

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'अयम् मम सखी अस्ति' वाक्य में 'सखी' शब्द स्त्रीलिंग है अतः अशुद्ध 'अयम्' शब्द के स्थान पर स्त्रीलिंग 'इयम्' शब्द प्रयुक्त होगा।

32. राधा श्वः मम गृहम् <u>आगच्छत्</u>।

(a) गमिष्यति　(b) आगच्छति

(c) गच्छतु　(d) आगमिष्यति

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'राधा श्वः मम गृहम् आगच्छत्' वाक्य में अशुद्ध आगच्छत् शब्द के स्थान पर 'श्वः' आने वाला कल के साथ क्रिया लृट् लकार भविष्यत् काल की प्रयुक्त होगी।

VIII. रेखाङ्कित-पदानि आधृत्य समुचितं प्रश्नवाचकपदं चिनुत-(केवलं प्रश्नपञ्चकम्)　5 × 1 = 5

33. <u>धेनूनां</u> माता सुरभिः आसीत्।

(a) किम्　(b) कीदृशः

(c) कीदृशम्　(d) कासाम्

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'धेनूनां' शब्द स्त्रीलिंग षष्ठी विभक्ति बहुवचन के लिए प्रश्नवाचक शब्द किम् सर्वनाम् स्त्रीलिंग में षष्ठी बहुवचन 'कासाम्' प्रयुक्त होगा।

34. पुरा त्वया <u>मह्यं</u> व्याघ्रत्रयं दत्तम्।

(a) कस्मै　(b) के

(c) कदा　(d) कुत्र

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—पुरा त्वया मह्यम् व्याघ्रत्रयं दत्तम्' वाक्य में 'मह्यम्' शब्द 'अस्मद्' सर्वनाम शब्द चतुर्थी विभक्ति एकवचन के स्थान पर प्रश्न वाचक शब्द किम् सर्वनाम पुल्लिंग में चतुर्थी एकवचन 'कस्मै' प्रयुक्त होगा।

35. त्वं <u>मानुषात्</u> बिभेषि।

(a) कस्मात्　(b) कम्

(c) कस्याः　(d) कति

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'मानुषात्' शब्द पंचमी विभक्ति एकवचन के स्थान पर प्रश्न वाचक शब्द किम् सर्वनाम पुल्लिंग में पंचमी एकवचन 'कस्मात्' प्रयुक्त होगा,

36. <u>उद्याने</u> पक्षिणाम् कलरवः चेतः प्रसादयति।

(a) केषाम्　(b) कुत्र

(c) किम्　(d) केन

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'उद्याने पक्षिणाम् कलरवः चेतः प्रसतादयति- बगीचे में पक्षियों का चहचाहना मन को प्रसन्न करता है अर्थात् कहाँ (बगीचे में) अतः उद्याने के स्थान पर प्रश्न वाचक शब्द 'कुत्र' प्रयुक्त होगा।

37. अयम् <u>अन्येभ्योः</u> दुर्बलः।

(a) के　(b) काभ्यः

(c) कस्मात्　(d) केभ्यः

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'अन्येभ्यो' शब्द चतुर्थी बहुवचन के स्थान पर प्रश्न वाचक शब्द किम् सर्वनाम पुल्लिग में चतुर्थी बहुवचन 'केभ्यः' प्रयुक्त होगा।

38. <u>प्रकृत्याः</u> सन्निधौ वास्तविकं सुखं विद्यते।

(a) कस्य　(b) कस्याः

(c) के　(d) कुतः

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—प्रकृत्याः स्त्रीलिंग पंचमी, षष्ठी एकवचन के लिए प्रश्नवाचक शब्द किम् सर्वनाम् स्त्रीलिंग पंचमी, षष्ठी एकवचन में 'कस्याः' प्रयुक्त होगा।

IX. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुकुलम् उचितार्थ चिनुत्-(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्)　4 × 1 = 4

39. वाष्पयानमाला <u>ध्वानं</u> वितरन्ती संधावति।

(a) मार्गम्　(b) शीघ्रम्

(c) ध्वनिम्　(d) पुष्पम्

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—वाष्पयानमाला <u>ध्वानं</u> वितरती संधावति में <u>ध्वानं</u> अर्थात् आवाज करती हुयी के लिए पर्याय शब्द 'ध्वनिम्' प्रयुक्त होगा।

40. मां निजगले बद्ध्वा सत्वरं चल।

(a) सत्त्वम् **(b)** मन्दम्

(c) आहारः **(d)** शीघ्रम्

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'सत्वरं' अन्वय शब्द का पर्याय 'शीघ्रम्' षष्ठी उपयुक्त है।

41. सुरभिक्वचनं श्रुत्वा आखण्डलः दुखितः अभवत्।

(a) अग्निः **(b)** वृषभः

(c) इन्द्रः **(d)** वरुणदेवः

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'सुरभि के वचन सुनकर इन्द्र दुखी हुए' वाक्य में प्रयुक्त आ खण्डलः' शब्द का पर्याय 'इन्द्रः' उचित है।

42. नवमालिका रसालं मिलिता अस्ति।

(a) आम्रम् **(b)** वृक्षः

(c) रसः **(d)** रसयुक्तः

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'रसालं' (आम) का पर्याय 'आम्रम्' है।

43. सः कच्छ्रेण भारम् उद्वहति।

(a) सरलतया **(b)** काठिन्येन

(c) संतोषेन **(d)** विनम्रतया

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'कच्छ्रेण' का हिन्दी अर्थ 'कठिनाई से' है।

X. भाषिककार्यसम्बद्धनां प्रश्नानां समुचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चिनुत्-(केवलं प्रश्नषटकम्) $6 \times 1 = 6$

44. "कालायसचक्रं सदा वक्रं भ्रमति" अत्र क्रियापदं किम्?

(a) कालायसचक्रं **(b)** सदा

(c) वक्रम् **(d)** भ्रमति

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—"कालायासचक्रं सदा वक्र भ्रमति" में क्रियापद 'भ्रमति' है।

45. "क्रुद्धः कृषीवलः तमुत्थापयितुं बहुवारम् यत्नमकरोत्" अस्मिन् वाक्ये विशेषणपदं किम्?

(a) क्रुद्धः **(b)** कृषीवलः

(c) बहुवारम् **(d)** तम्

उत्तर—विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—"क्रुद्धः कृषविलः" में विशेष्य कृषीबला है अतः 'क्रुद्ध' विशेषण पद है।

46. "इदानीं वायुमण्डलं भृशं दूषितं जातम्।" अत्र 'अत्यधिकम्' पदस्य पर्यायपदं किम्?

(a) इदानीम् **(b)** वायुमण्डलम्

(c) भृशम् **(d)** दूषितम्

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—"इदानी वायुमण्डलं भृशं दूषितं जातम्" इस वाक्य में 'अत्यधिक' शब्द का पर्याय शब्द 'भृशं' है।

47. "अहमत्र भवतोः जनकं नामतो वेदितुम् इच्छामि।" अत्र कर्तृपदं किम्?

(a) भवतोः **(b)** अहम्

(c) जनकं **(d)** नामतो

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'अहमत्र भवतोः जनकं नामतो वेदितुम् इच्छामि' यहाँ कर्तृपद क्रिया 'इच्छामि' उत्तमपुरुष एकवचनानुसार कर्ता (अहम्) पद उत्तम् पु. एकवचन में 'अहम्' होगा।

48. "एष भवतोः सौन्दर्यावलोकजनितेन कौतूहलेन पृच्छामि" अस्मिन् वाक्ये किं विशेष्यपदं प्रयुक्तम्?

(a) भवतोः **(b)** सौन्दर्यावलोकजनितेन

(c) कौतूहलेन **(d)** पृच्छामि

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—"एष भवतोः सौन्दर्यावलोक जनितेन कौतूहलेन पृच्छामि" वाक्य में विशेष्य पद विशेषण की विभक्ति वचनानुसार को 'कौतूहलेन' उपयुक्त होगा।

49. "सः व्याघ्रः तथा कृत्वा काननं यथौ।" अत्र कर्तृपदं किम्?

(a) कृत्वा **(b)** व्याघ्रः

(c) काननम् **(d)** ययौ

उत्तर—विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'सः व्याघ्रः तथा कृत्वा काननं यथौ वाक्य में कर्तृपद 'व्याघ्रः' है।

50. "बछून्यपत्यानि मे सन्तीति सत्यम्।" अत्र 'अल्पानि' इति पदस्य विलोमपदं किम्?

(a) अपत्यानि **(b)** मे

(c) बहूनि **(d)** सन्ति

उत्तर—विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—"बहून्यपत्यानि में सत्तीति सत्यम्" इस वाक्य में अल्पानि पद का विलोम 'बहूनि' उपयुक्त होगा।

51. "कृषकः वृषभौ नीत्वा गृहम् अगात्" अत्र क्रियापदं किम्?

(a) कृषकः **(b)** वृषभौ

(c) गृहम् **(d)** अगात्

उत्तर—विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—"कृषकः वृषभौ नीत्वा गृहम् अगात्" वाक्य में क्रियापद 'अगात्' है।

❑❑❑